Code No. **29/3**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में
चमकता हीरा है,
हर एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुस्मित में विमल सदा नीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य पीड़ा है,
पलभर मैं सबमें से गुज़रना चाहता हूँ,
प्रत्येक उर में से तिर आना चाहता हूँ ।

अथवा

मेरे जीवन का यह है जब प्रथम चरण,
इसमें कहाँ मृत्यु,
है जीवन ही जीवन ।
अभी पड़ा है आगे सारा यौवन,
स्वर्ण-किरण कल्लोलों पर बहता रे यह बालक मन,
मेरे ही अविकसित राग से
विकसित होगा बंधु दिगंत —
अभी न होगा मेरा अंत

(ख) मोर पखा 'मतिराम' किरीट में, कंठ बनी बनमाल सुहाई ।
मोहन की मुसकानि मनोहर, कुंडल डोलनि में छबि छाई ।
लोचन लोल बिसाल बिलोकनि, को न बिलोकि भयो बस माई ।
वा मुख की मधुराई कहा कहौं, मीठी लगे अँखियान लुनाई ।।

अथवा

कहा मानसर चाह सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई ।।
भा निरमल तिन्ह पाँयन्ह परसे। पावा रूप रूप के दरसे ।।
मलय समीर बास तन आई। भा सीतल, गै तपनि बुझाई ।।
न जनौं कौन पौन लेइ आवा। पुन्य-दसा भै पाप गँवावा ।।

2. (क) 'एक छोटी-सी लड़ाई' कविता के आधार पर बताइए कि कवि समाज के किस वर्ग के हित में संघर्ष करना चाहता है और क्यों ? 3

(ख) ''जिनि पिया सार रस, तजे आन रस, होइ रसमगन, डारे बिषु खोइ ।।'' काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि इसमें किस व्यक्ति का उल्लेख किया गया है। 2

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

इस नील विषाद गगन में,
सुख चपला-सा दुख-घन में,
चिर विरह नवीन मिलन में,
इस मरु-मरीचिका-वन में
उलझा है चंचल मन-कुरंग ।

अथवा

चाँदनी की उँगलियाँ चंचल,
क्रोशिए से बुन रही थी चपल
फेन-झालर बेल, मानो ।

4. तुलसीदास **अथवा** रामधारी सिंह 'दिनकर' के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) यहीं दिल्ली वाले मात खा गए। न वे आने वालों पर अपनी कछुआ चाल थोप सके न उनकी हमलावरी रफ़्तार को आत्मसात् कर सके। गति के सांस्कृतिक हमले में, वे परास्त तो हुए, पर हारकर भी नई चाल के न बन पाए। न नए को गले लगाया, न पुराने को कलेजे से लगाए रख सके।

(ख) इस सूचना के बाद जब आज सवेरे वह मेरे गले लगा तो मैंने शरीर से अपने मन को चुपचाप खिसका दिया और निस्स्नेह कँटीली देह उसकी बाँहों में छोड़ दी। भावना के अगर काँटे होते तो उसे मालूम होता कि वह नागफनी को कलेजे से चिपटाए है। छल का धृतराष्ट्र जब आलिंगन करे, तो पुतला ही आगे बढ़ाना चाहिए।

(ग) यदि माता-पिता विरोध करते हैं तो समझना चाहिए कि वह भी प्रह्लाद के माता-पिता के नवीन संस्करण हैं। यदि हित-बांधव बाधा उपस्थित करते हैं तो समझना चाहिए कि वे दिवांध हैं। यदि धर्म-धर्माचार्य कुछ उलटा-सीधा तर्क देते हैं तो समझ लेना चाहिए कि इन्हीं ढोंगी और ढोंगियों ने संसार को कभी सरल और सच्चे पथ पर चलने नहीं दिया।

6. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) 'मेरी जीवन यात्रा : दो चित्र' पाठ के लेखक को प्रशिक्षण-संस्थान के छात्रावास में ऐसा क्या-क्या दिखाई दिया जिससे वहाँ का वातावरण आश्चर्यजनक लगने लगा ?

(ख) कैलाश को साँप काटने की ख़बर सुनकर बूढ़े भगत के मन में क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? — 'मंत्र' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) अपने मित्र को गालिब ने जो पत्र लिखा उसमें दिल्ली की दुर्दशा का क्या वर्णन किया, उसका उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** सुंदरलाल बहुगुणा के जीवन पर संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) '' 'निर्मला' उपन्यास **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' 'कथानक' की दृष्टि से एक सफल उपन्यास है।'' उक्त कथन की समीक्षा कीजिए। 5

(ख) 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के संवाद पात्रों की मनोदशा को व्यक्त करने में सफल हैं। इस दृष्टि से उपन्यास की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 40–50 शब्दों में अपेक्षित है। 3, 3

(क) सिद्ध कीजिए कि भाषा-शैली की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' एक परिमार्जित, सुगठित और सफल रचना है।

(ख) 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास की मुख्य समस्या क्या है ? आज के संदर्भ में उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(ग) देशकाल और वातावरण की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

10. वीरगाथा-कालीन हिन्दी काव्य की चार सामान्य विशेषताओं का परिचय देते हुए इस काल के दो प्रसिद्ध काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए। 5

अथवा

भारतेंदु-युगीन काव्य की चार सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए इस युग के दो प्रसिद्ध कवियों के नाम लिखिए।

11. छायावादी काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दो प्रसिद्ध छायावादी कवियों के नाम लिखिए। 5

अथवा

प्रगतिवाद और प्रयोगवाद में अन्तर बताते हुए प्रगतिवादी काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

12. 'स्वातंत्र्योत्तर ऐतिहासिक उपन्यास' के विकास का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 5

अथवा

आँचलिक कहानी से क्या तात्पर्य है ? यह बताते हुए 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी-कहानी' के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) महानगरों में बढ़ता प्रदूषण

(ख) साम्प्रदायिकता : भारत की एकता को ख़तरा

(ग) राष्ट्र-निर्माण में साहित्य की भूमिका

(घ) कम्प्यूटर : प्रगति का साधन

(ङ) मानसिक तनावों में घिरा आज का युवा वर्ग